वायनाड वन्यजीव अभयारण्य

मानव-वन्यजीव संघर्ष के हालिया मामले में एक स्थानीय व्यक्ति पर हाथी द्वारा हमला किया गया और हाथियों के झुंड ने वायनाड वन्यजीव अभयारण्य, केरल के पास केले के खेत को भी बर्बाद कर दिया।

- पिछले कुछ वर्षों में केरल में **मानव-वन्यजीव संघर्ष एक गंभीर वन्यजीव प्रबंधन समस्या बन गई है। इस कारण** आरक्षित वनों और अभयारण्यों के किनारे रहने वाले लोगों में अब असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष:

- **परिचय: जब वन्यजीवों की उपस्थिति या व्यवहार मानव के लिये निरंतर जोखिम पैदा करता है** तथा इसका लोगों और/या वन्यजीवों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- **कारण:** मानव आबादी का विस्तार, **जानवरों के निवास स्थान में कमी, भूमि उपयोग परिवर्तन और संरक्षित क्षेत्रों में पशुधन की बढ़ती सघनता मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रमुख कारण** माने जाते हैं।

वायनाड वन्यजीव अभयारण्य:

- वायनाड वन्यजीव अभयारण्य (WWS) **नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व** का एक अभिन्न अंग है। इसकी स्थापना 1973 में हुई थी।
  - नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व जिसे **यूनेस्को द्वारा** भारत से **नामित** विश्व के पहले **बायोस्फीयर रिज़र्व नेटवर्क** (2012 में नामित) में शामिल किया गया था।
  - रिज़र्व के भीतर अन्य वन्यजीव पार्क हैं: मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान और मौन घाटी।
- 344.44 वर्ग किमी. में फैला वायनाड वन्यजीव अभयारण्य कर्नाटक के नागरहोल और **बांदीपुर** के बाघ अभयारण्य तथा तमिलनाडु के **मुदुमलाई** से सटा हुआ है।
- काबिनी नदी (**कावेरी नदी** की एक सहायक नदी) अभयारण्य से होकर बहती है।
- वन प्रकारों में **दक्षिण भारतीय नम पर्णपाती वन**, पश्चिमी तट अर्द्ध-सदाबहार वन और सागौन, नीलगिरि एवं ग्रेवेलिया के वृक्षारोपण शामिल हैं।
- हाथी, गौर, बाघ, पैंथर, सांभर, चित्तीदार हरिण, बार्किंग डियर, जंगली सूअर, स्लॉथ बियर, नीलगिरि लंगूर, बोनट मकॉक, कॉमन लंगूर, जंगली कुत्ता, **ऊदबिलाव, मालाबार विशाल गिलहरी आदि प्रमुख स्तनधारी हैं।**

केरल में संरक्षित क्षेत्र:

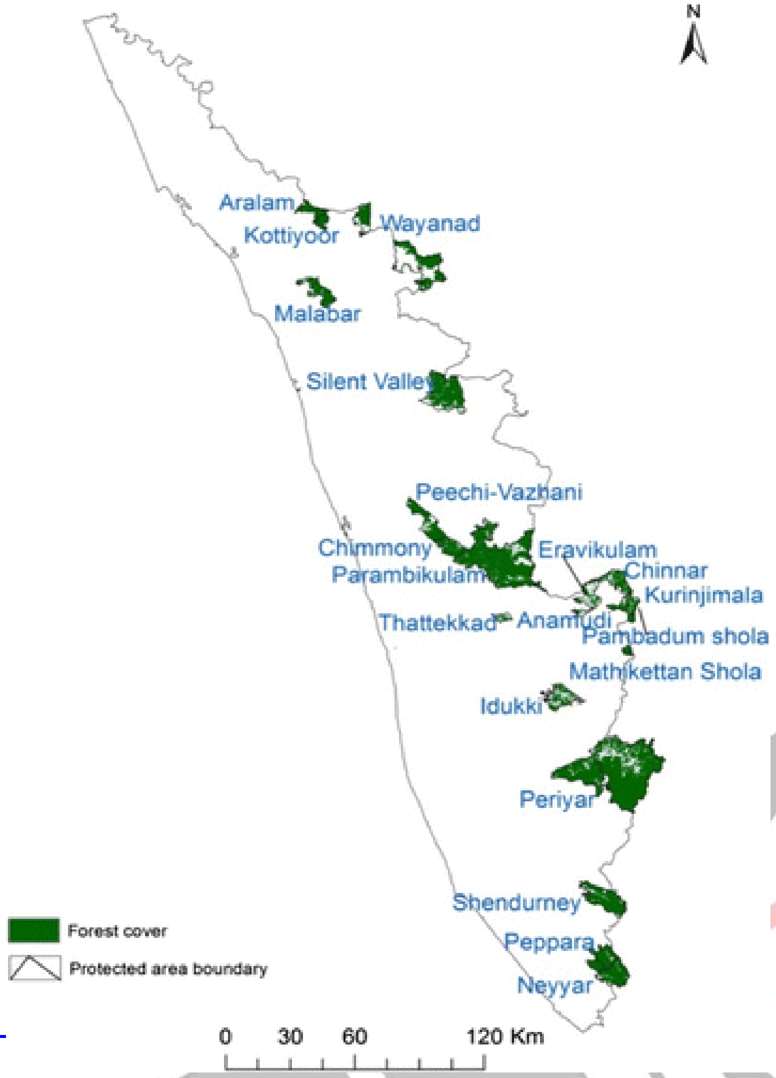

//

हाथियों की संरक्षण स्थिति:

- प्रकृति के संरक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) संकटग्रस्त प्रजातियों की लाल सूची:
  - अफ्रीकी वन हाथी- गंभीर रूप से संकटग्रस्त
  - अफ्रीकी सवाना हाथी- लुप्तप्राय
  - एशियाई हाथी- लुप्तप्राय
- प्रवासी प्रजातियों का सम्मेलन (CMS): परिशिष्ट
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: **अनुसूची I**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न

प्रश्न. भारतीय हाथियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2020)

1. हाथियों के समूह का नेतृत्व मादा करती है।
2. गर्भधारण की अधिकतम अवधि 22 महीने हो सकती है।
3. एक मादा हाथी सामान्य रूप से केवल 40 वर्ष की आयु तक बच्चे को जन्म दे सकती है।
4. भारतीय राज्यों में सबसे अधिक हाथी जनसंख्या केरल में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 3
(d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- हाथियों के झुंड का नेतृत्त्व सबसे पुरानी और बड़ी मादा सदस्य (झुंड की माता) द्वारा किया जाता है। इस झुंड में नर हाथी की सभी संतानें (नर और मादा) शामिल होती हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- हाथियों में सभी स्तनधारियों की सबसे लंबी गर्भकालीन (गर्भावस्था) अवधि होती है, जो 680 दिनों (22 महीने) तक चलती है।**अतः कथन 2 सही है।**
- 14-45 वर्ष के बीच की मादा हाथी लगभग हर चार साल में बच्चे को जन्म दे सकती हैं, जबकि औसत जन्म अंतराल 52 साल की उम्र में पाँच साल और 60 साल की उम्र में छह साल तक बढ़ जाता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- हाथियों की जनगणना (2017) के अनुसार, कर्नाटक में हाथियों की संख्या सबसे अधिक (6,049) है, इसके बाद असम (5,719) और केरल (3,054) का स्थान है। **अतः कथन 4 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (a) सही है।

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा 'संरक्षित क्षेत्र' कावेरी बेसिन में स्थित है?

1. नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान
2. पापिकोंडा राष्ट्रीय उद्यान
3. सत्यमंगलम बाघ आरक्षित क्षेत्र
4. वायनाड वन्यजीव अभयारण्य

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/wayanad-wildlife-sanctuary-2